(2) राष्ट्रीय बीज परियोजना चरण –1 और चरण–2 के अन्तर्गत सृजित बुनियादी सुविधाओं का अल्प-प्रयोग ; और

(3) अधिक स्टाफ।

(घ) मैसर्स टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विसेस ने निगम के कार्य की समीक्षा की थी और निगम के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए इसके सुदृढ़ और कमजोर क्षेत्रों को चिन्हित किया था। इस अध्ययन में निम्नलिखित प्रमुख मदों पर विशेष जोर दिया गया :—

(क) यह कि राष्ट्रीय बीज निगम अपने कार्यकलापों के अधिकतर क्षेत्रों में कार्यकुशल नहीं रहा और इस प्रकार इसे हानि हुई ; और

(ख) यह कि राष्ट्रीय बीज निगम में उनके कारोबार की तुलना में स्टाफ बहुत अधिक था।

निगम की कार्य कुशलता मे सुधार लाने के लिए कन्सलटैन्ट्स की गई प्रमुख सिफारिशें इस प्रकार हैं :;–

(क) वे अपना उत्पादन और विपणन संबंधी कार्यकलाप बढ़ाएं ;

(ख) वे अपने विभिन्न उत्पादों में संशोधन करें ; और

(ग) संशोधित उत्पादन तथा विपणन संबंधी कार्यकलापों के समरूप स्टाफ स्तर का समायोजन करें।

कन्सलटैन्ट्स की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए निगम के प्रबंधकों द्वारा उपर्युक्त कदम उठाए गए हैं।

**Confiscation of edible oil from NDDB**

4068. SHRI CHATURANAN MISHRA:
SHRI N. GIRI PRASAD:
SHRI SAMIR PADHAN:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gujarat State Government has confiscated edible oils worth Rs. 135 crores from the warehouses of National Dairy Development Board;

(b) whether it is also a fact that the NDDB was permitted to store only 7,700 MT of imported edible oil;

(c) whether it is a fact that such storing of oil had created artificial shortage in the market; and

(d) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) The Government of Gujarat had seized 22,119 MT edible oils stock from the godowns of NDDB.

(b) No, Sir. The stock limits of imported edible vegetable palmolein oil had been exempted from the purview of storage control order 177 vide the Govt. Notification dated 27th May, 1994.

(c) and (d) Since NDDB is continuously selling oil in the market from its stocks, therefore the question of artifical shortage of edible oil does not arise.

**एच०एफ०सी० और एफ०सी०आई० में उत्पादन क्षमता**

4069. **श्री आस मौहम्मद** : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अदूरदर्शिता के कारण एच०एफ०सी० और एफ०सी०आई० में उत्पादन क्षमता कम हो रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं ;

(ग) उर्वरकों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या क्या प्रयास किये जा रहे हैं ; और

(घ) इन उपक्रमों में भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों के खिलाफ सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो)** : (क) और (ख) एच०एफ०सी० और एफ०सी०आई० के विभिन्न एककों में निम्न क्षमता उपयोगिता के प्रमुख कारण प्रौद्योगिकी कमियां, सिस्टम डिजाइन में अपर्याप्तता, बारम्बार उपस्कर खर बियां, संयंत्रों का पुरानापन, विद्युत की कमी, समय से मरम्मत कार्य कराने के लिए इन कम्पनियों के पास निधि की कमी, आदि हैं।

(ग) इन संयंत्रों में मरम्मत / प्रतिस्थापन के लिए सरकार द्वारा निधि व्यवस्था करने एच०एफ०सी० और एफ०सी०आई० के अधिकांश एककों में कैप्टिव पावर संयंत्रों की स्थापना के अलावा, सरकार इन कम्पनियों को निवेशों की आपूर्ति की व्यवस्था के लिए सम्भव सीमा तक वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है। इन दोनों कम्पनियों को औद्योगिक एवं वित्तीय पुर्नगठन बोर्ड (बी०आई०एफ०आर०) द्वारा रुग्ण घोषित किया गया है। इन कम्पनियों के दीर्घावधिक भविष्य के संबंध में कोई कार्रवाई बी०आई०एफ०आर० जो एक न्यायिक कल्प प्राधिकरण है, के समक्ष लम्बित कार्रवाहियों के परिणाम पर निर्भर करेगी।

(घ) सरकार के ध्यान में जब भी भ्रष्टाचार का कोई मामला आता है, तो उस पर वर्तमान अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार कार्यवाई की जाती है।

**List of scheduled drugs**

4070. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that list of scheduled drugs prepared by his Ministry is full of anomalies and discrepancies; and

(b) if so, whether responsibility for preparing list has been fixed and what steps have been taken to establish accountability?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) No, Sir. The list of Scheduled drugs has been prepared by the Government by applying the criteria, as laid down in Paral 22.7.2 of the "Modifications in Drug Policy, 1986".

(b) Does not arise.

**Sale of molasses**

4071. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the lion share of the amounts realised through the sale of molasses by the sugar factories are not at all created in the companies account; and

(b) if so, what action Government has taken or propose to take to rectify this grave situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) The prices of molasses are not monitored by the Central Government after decontrol. For the purposes of fixing the ex-factory levy price of sugar, the realisation made by factories on the sale of molasses is taken into account as an adjustment in the manufacturing cost of sugar.

**जीवन रक्षक दवाओं के मूल्य में वृद्धि संबंधी समाचार**

4072. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान जीवन रक्षक दवाओं के मूल्यों में तेजी से वृद्धि